

1. जनसंख्या (Population)

- भारत विश्व का दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है (पहला: चीन, लेकिन 2023-24 से भारत सबसे ऊपर आ चुका है)।
 - 2024 तक भारत की जनसंख्या लगभग 1.43 अरब (1.43 billion) मानी जा रही है।
-

2. जनसंख्या वितरण (Population Distribution)

- सबसे अधिक जनसंख्या वाले राज्य: उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल
 - सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य/केंद्रशासित प्रदेश: लक्षद्वीप, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह
 - शहरों में सबसे अधिक जनसंख्या: मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकाता
-

3. लिंग अनुपात (Sex Ratio)

- 2011 की जनगणना के अनुसार:
943 महिलाएं प्रति 1000 पुरुष
 - कुछ राज्यों में यह बेहतर है (केरल), कुछ में खराब (हरियाणा)
-

4. जनसंख्या वृद्धि दर (Population Growth Rate)

- 1951 के बाद भारत में जनसंख्या तेजी से बढ़ी।
 - वर्तमान में वृद्धि दर धीरे-धीरे घट रही है – इसका कारण है शिक्षा, परिवार नियोजन, और जागरूकता।
-

5. साक्षरता दर (Literacy Rate)

- भारत में औसत साक्षरता दर: लगभग 74%
- पुरुष साक्षरता: 82%
- महिला साक्षरता: 65%
- सबसे अधिक साक्षर राज्य: केरल (~94%)

- सबसे कम साक्षर राज्य: बिहार, झारखंड
-

6. आयु संरचना (Age Structure)

- भारत एक युवा देश है:
 - 0-14 वर्ष: ~28%
 - 15-64 वर्ष: ~65%
 - 65+ वर्ष: ~7%
 - यही भारत की जनसांख्यिकीय लाभांश (Demographic Dividend) है।
-

7. ग्रामीण बनाम शहरी जनसंख्या (Rural vs Urban Population)

- लगभग 65% जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है।
 - शहरीकरण बढ़ रहा है, परंतु भारत अभी भी एक ग्रामीण प्रधान देश है।
-

8. धार्मिक संरचना (Religious Composition)

- हिंदू: ~79.8%
 - मुस्लिम: ~14.2%
 - ईसाई: ~2.3%
 - सिख: ~1.7%
 - अन्य (बौद्ध, जैन, आदिवासी आदि): ~2%
-

9. सरकारी प्रयास (Government Initiatives)

- परिवार नियोजन अभियान
- जनसंख्या स्थिरीकरण नीति
- शिक्षा और महिला सशक्तिकरण योजनाएं

- POSHAN अभियान, मिशन इंद्रधनुष आदि

निष्कर्ष (Conclusion)

भारत की जनसांख्यिकी बहुत विविध, तेजी से बदलती हुई और नीतियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह तय करती है कि हमें रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य और आवास जैसे क्षेत्रों में कैसी योजनाएं बनानी चाहिए।